जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक : *डॉ. शेखर सिंह बघेल*
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 44
दिनांक 17.03.2022

पारंपरिक फसलों के मुकाबले मसाला फसलें कई गुना लाभदायी – डॉ. बिसेन

जनेकृविवि में किसानों ने सीखें मसाला फसलों की उत्पादन तकनीक के गुर

जबलपुर 17 मार्च। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के उद्यानिकी विभाग द्वारा एकीकृत बागवानी विकास मिशन के अंतर्गत मसाला फसलों की उत्पादन तकनीक विषय पर, एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण आयोजित किया गया। जिसमें मुख्यअतिथि की आसंदी से विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. प्रदीप कुमार बिसेन ने कहा मसाला फसलों के उपयोग से बहुत कम क्षेत्र में भी जैविक खेती के उपयोग से किसान भाई आसानी से खेती कर सकते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि एक ट्रक गेहूं की से जो कीमत मिलती है उतनी कीमत मसाला फसलों से भरे एक आटो में ही मिल जाती है। उन्होंने कहा कि अन्य फसलों में किसान 2 हजार रूपए की रासायनिक खाद का उपयोग कर रहा है, जबकि वही फसल 2 सौ रूपए की जैविक खाद से बहुत अच्छी तरह ये तैयार की जा सकती है। डॉ. बिसेन ने कृषकों के साथ प्रसार संबंध बनाने और बीजों, जैविक खाद तथा मृदा परीक्षण विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से कराने का अनुरोध भी किया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में संचालक अनुसंधान सेवाएं डॉ. जी.के. कोतू ने मसाला बीजों की महत्ता तथा संधारण पर जोर दिया। उन्होंने मसालों की खेती को व्यवसायिक रूप से करने की सलाह दी है। संचालक विस्तार सेवाएं डॉ. दिनकर प्रसाद शर्मा ने कहा कि मसाला फसलों की खेती बहुत ही लाभ का धंधा है, जहां भी जाओगे मसाला का इस्तेमाल होता है। कोई भी कार्य करने के लिए किसानों को खुद व्यापारी बनना पड़ेगा, तभी आप उसकी मार्केटिंग ठीक तरह से करके मुनाफा कमा सकते है। संचालक प्रक्षेत्र डॉ. डी.के. पहलवान ने किसानों को विभिन्न प्रकार के बीज प्रदान करने के लिए विश्वविद्यालय की भूमिका पर प्रकाश डाला। विभागाध्यक्ष उद्यान शास्त्र डॉ. एस.के. पांडे ने मसाले सगंधीय तथा औषधीय फसलों की खेती करने तथा विविधीकरण को अपनाने की सलाह दी। प्रशिक्षण में कुण्डम और शहपुरा तहसील सहित जबलपुर के आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में किसान उपस्थित हुए। जिन्हें उद्यान शास्त्र विभाग के वैज्ञानिकों डॉ. अखिलेश तिवारी, डॉ. रीना नायर, डॉ. रजनी शर्मा, डॉ. यू.के, चंदेरिया, डॉ. राहुल डोंगरे, डॉ. ए.के. सिंह, डॉ. एस.बी. दास ने प्रशिक्षण प्रदान किया। इस मौके पर उद्यान शास्त्र विभाग के सभी वैज्ञानिक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालक डॉ. रजनी शर्मा एवं आभार प्रदर्शन संचालक विस्तार सेवाएं डॉ. दिनकर प्रसाद शर्मा ने किया।

–000–